



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 9 मार्च, 2000/19 फाल्गुन, 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

आयुर्वेद विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 22 फरवरी, 2000

संख्या आयु०-क (3) 2/90.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग में मुख्य आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट, वर्ग-III (अराजपत्रित) के पद के लिए इस अधिसूचना के साथ संलग्न उपाबन्ध "क" के अनुसार निम्नलिखित भर्ती एवं प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग, मुख्य आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट, वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 2000 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
वित्तायुक्त एवं सचिव।

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग, हिमाचल प्रदेश में मुख्य आयुर्वेदिक फार्मासिस्टों वर्ग-III (अराजपत्रित) पद के लिए भर्ती एवं प्रोन्नति नियम

1. पद का नाम मुख्य आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट
2. पदों की संख्या 52 (बावन)
3. वर्गीकरण वर्ग-III (अराजपत्रित) (अलिपिक वर्गीय सेवाएं)
4. वेतनमान 58 00-200-7000-220-8100-275-9200 रुपये
5. चयन पद अथवा अचयन पद अचयन पद
6. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा लागू नहीं
7. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अशिक्षित न्यूनतम शैक्षणिक और ग्रन्थ अर्हताएं। अनिवार्य अर्हताएं : लागू नहीं
वांछनीय अर्हताएं : लागू नहीं
8. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं? आयु : लागू नहीं
शैक्षणिक अर्हताएं : लागू नहीं
9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अनधिक ऐसी अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा कि सक्षम अधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दें।
10. भर्ती की पद्धति —भर्ती सीधी होंगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता। शतप्रतिशत प्रोन्नति द्वारा
11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियां जिनमें प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जायेगा। आयुर्वेदिक फार्मासिस्टों में से प्रोन्नति द्वारा, जिनका 10 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-98 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके 10 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व संभरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथा-विहित सेवाकाल के लिये, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जायेगी, कि संभरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों

के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया प्रप्ताने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-98 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों को, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम ग्रहता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि, जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किये जाने के विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण.—प्रतिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मड फोर्स परसोनल (रिजर्वेशन आफ वे कैन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिसे एक्म-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वे कैन्सीज इन द हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गये हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिये गणना में ली जाएगी यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता प्ररिर्वतित रहेगी।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो तो उसकी संरचना ? जैसी कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।
13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा। जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित हो
14. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा। लागू नहीं
15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन। लागू नहीं
16. आरक्षण उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की बाबत जारी किये गये अनुदेशों के अधीन होगी।
17. विभागीय परीक्षा लागू नहीं
18. शिथिल करने की शक्ति जहाँ राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ यह कारणों को अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, आदेश द्वारा, इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत शिथिल कर सकेंगे।

[Authoritative English text of this department notification No. Ayu. Ka (3) 2/90, dated 22-2-2000 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

INDIAN SYSTEM OF MEDICINE & HOMOEOPATHY DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 22nd February, 2000

No. Ayu. Ka (3) 2/90.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Chief Ayurvedic Pharmacist, (Class-III, Non-Gazetted) in the Department of Indian System of Medicine & Homoeopathy, Himachal Pradesh as per Annexure 'A' attached to this notification, namely :—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh, Department, of Indian System of Medicine & Homoeopathy Chief Ayurvedic Pharmacist, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2000.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

By order,

Sd/-

F. C.-cum-Secretary.

ANNEXURE "A"

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF CHIEF AYURVEDIC PHARMACIST (NON-GAZETTED) CLASS-III IN THE DEPARTMENT OF INDIAN SYSTEM OF MEDICINE AND HOMOEOPATHY, HIMACHAL PRADESH,

- | | |
|--|--|
| 1. Name of the post | Chief Ayurvedic Pharmacist |
| 2. Number of posts | 52 (Fifty two) |
| 3. Classification | Class-III (Non-Gazetted) Non-Ministerial Services |
| 4. Scale of pay | Rs. 5800-200-7000-220-8100-275-9200 |
| 5. Whether selection post or non-selection post. | Non Selection |
| 6. Age for direct recruitment | Not applicable |
| 7. Minimum educational and other qualifications required for direct recruits. | Essential qualification : Not applicable
Desirable qualification : Not applicable |
| 8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees? | Age : Not applicable
Educational Qualifications : Not applicable |
| 9. Period of probation, if any | Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing. |
| 10. Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion, deputation/transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods. | 100% by promotion |
| 11. In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grade from which promotion/deputation/transfer is to be made. | By promotion from amongst the Ayurvedic Pharmacist with ten years regular service or regular combined with continuous <i>ad hoc</i> (rendered upto 31-3-1998) service, if any, in the grade. |

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules, provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-98) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-service men recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly in all cases of confirmation, *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be

taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules :

Provided that *inter-se*-seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged.

- | | |
|--|---|
| 12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition. | As may be constituted by the Government from time to time. |
| 13. Circumstances under which the H.P.P.S.C. is to be consulted in making recruitment. | As required under the law |
| 14. Essential requirement for a direct recruitment. | Not applicable |
| 15. Selection for appointment to the post by direct recruitment. | Not applicable |
| -16. Reservation | The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Backward Classes/Other Categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time. |
| 17. Departmental Examination | Not applicable |
| 18. Powers to relax | Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the H.P.P.S.C. relax any of the provisions of these Rules with respect to any class or category of persons or posts. |

